शालोम! हमारे प्रभु यीशु मसीह के नाम का धन्यवादा और महिमा हो।

विश्वासी के जीवन में पवित्र आत्मा की सबसे बड़ी कृतियों में से एक है हमारे मन और आंखों को खोलना ताकि हम परमेश्वर के वचन को समझ सकें। यीशु ने स्वयं वादा किया:

“परन्तु जब सच्चाई का आत्मा आ जाएगा, तो वह तुम्हें सारी
सच्चाई में मार्गदर्शन करेगा …”
(यूहन्ना 16:13, ERV)।

कई लोग बाइबल पढ़ते समय विशेषकर भविष्यवाणी वाले ग्रंथ दानियल, यशायाह, येज़ेकिएल, यिर्मयाह, जकर्याह और प्रकाशितवाक्य को समझने में कठिनाई महसूस करते हैं। कुछ लोग इसे बहुत रहस्यमय मानकर पढ़ना ही छोड़ देते हैं। दूसरों का मानना है कि केवल पादरी, भविष्यवक्ता या विद्वान ही इन्हें समझ सकते हैं।

लेकिन बाइबल स्पष्ट करती है कि परमेश्वर अपनी सच्चाई मानव बुद्धि या शिक्षा के आधार पर नहीं प्रकट करते। वह अपने वचन को

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

उन लोगों को प्रकट करते हैं जो उसे नम्र हृदय से खोजते हैं। जैसा कि पौलुस ने लिखा:

“प्राकृतिक मनुष्य परमेश्वर की आत्मा की बातें नहीं समझता; क्योंकि यह उसके लिए मूर्खता है, और वह इसे नहीं समझ सकता, क्योंकि यह आत्मिक रूप से समझा जाता है।”
(1 कुरिन्थियों 2:14, ERV)।

इसलिए, अगर हम शुरुआत में कुछ न समझें, तो इसका मतलब यह नहीं कि हम अज्ञानी हैं। कई बार यह परमेश्वर की योजना होती है। कुछ सत्य “सील” किए होते हैं, जब तक कि नियत समय न आ जाए, ताकि पवित्र आत्मा इसे भूखे हृदयों को प्रकट कर सके (दानियल 12:4; मत्ती 13:11–14)।

इथियोपियाई कर्मकार का उदाहरण

प्रेरितों के काम 8 में, हम एक इथियोपियाई अधिकारी से मिलते हैं रानी कांडाके के अधीन एक नपुंसक। यद्यपि वह यहूदी नहीं था और उसने किसी रब्बी के अधीन अध्ययन नहीं किया था, फिर भी वह परमेश्वर को सच्चे हृदय से खोज रहा था। उसकी भक्ति ने उसे

जेरूसलम तक जाने और वहां उपासना करने के लिए प्रेरित किया।

वापसी में, वह अपने रथ में यशायाह 53 पढ़ रहा था:

“उसे मांस के बलि के लिए ले जाया गया, और जिस मेमने को काटने वाला चुप रहता है, उसी प्रकार उसने अपना मुँह नहीं खोला।” (प्रेरितों के काम 8:32, यशायाह 53:7 के अनुसार, ERV)।

फिर भी वह नहीं समझ सका कि भविष्यवक्ता किसके बारे में बोल रहा है क्या यह यशायाह स्वयं था या कोई और?

क्योंकि वह जानना चाहता था, पवित्र आत्मा ने उसकी मदद के लिए एक दिव्य योजना बनाई। फिलिप सामरिया में जोरदार रूप से प्रचार कर रहे थे, और कई लोग विश्वास में आए। अचानक प्रभु के देवदूत ने उन्हें भीड़ से दूर गाजा जाने वाले रेगिस्तानी मार्ग की ओर निर्देशित किया (प्रेरितों के काम 8:26)। यद्यपि यह असामान्य लग सकता था, फिलिप ने आज्ञाकारिता की।

जब उन्होंने रथ देखा, तो आत्मा ने कहा: “जाओ और इस रथ को पकड़ लो।” (प्रेरितों के काम 8:29, ERV)। फिलिप जब पास पहुंचे, तो उन्होंने देखा कि कर्मकार यशायाह पढ़ रहा था। फिलिप ने पूछा:

“क्या तुम समझते हो जो तुम पढ़ रहे हो?” कर्मकार ने उत्तर दिया: “मैं कैसे समझ सकता हूँ, जब मुझे कोई मार्गदर्शन नहीं दे रहा?” (प्रेरितों के काम 8:30–31, ERV)।

इसके बाद फिलिप ने शास्त्र खोला और यशायाह 53 से शुरू करके यीशु मसीह की व्याख्या की यह समझाते हुए कि यह भविष्यवाणी मसीह के बारे में थी, जिन्होंने हमारे उद्धार के लिए पीड़ा, मृत्यु और पुनरुत्थान सहा।

थोड़ी देर बाद, वे पानी के पास पहुंचे। अब विश्वास से भरा कर्मकार बोला: “देखो, यहाँ पानी है; मुझे बपतिस्मा लेने से क्या रोकता है?” (प्रेरितों के काम 8:36, ERV)। अपने विश्वास के स्वीकारोक्ति के बाद, फिलिप ने उसे बपतिस्मा दिया। तुरंत पवित्र आत्मा ने फिलिप को दूर ले लिया, लेकिन कर्मकार खुशी-खुशी आगे बढ़ा।

धार्मिक शिक्षाएँ

1. प्रकट होना पवित्र आत्मा के माध्यम से होता है, न कि मानव क्षमता से
कर्मकार शिक्षित और प्रभावशाली था, फिर भी उसने यशायाह 53 को पवित्र आत्मा के हस्तक्षेप के बिना नहीं समझा। जैसा पौलुस लिखते हैं: “क्योंकि किसने मनुष्य
के विचार को जाना कि वह उसे समझाए? हम तो मसीह के विचार को जानते हैं।” (1 कुरिन्थियों 2:11, ERV)।
2. मसीह ही शास्त्रों की कुंजी हैं

फिलिप ने इसी पद से शुरू करके यीशु का प्रचार किया। यह दिखाता है कि मसीह सभी शास्त्रों का केंद्रीय विषय हैं। यीशु ने कहा: “तुम शास्त्रों को खोजते हो, क्योंकि तुम सोचते हो कि उनमें अनंत जीवन है; और वही मुझ पर गवाही देते हैं।” (यूहन्ना 5:39, ERV)।

3. आत्मा के आज्ञाकारिता में फल है
फिलिप ने सामरिया की सफल प्रार्थना सभा छोड़कर रेगिस्तान में एक व्यक्ति से मिलने गए। यह हमें याद दिलाता है कि परमेश्वर एक खोजकर्ता की आत्मा को भी उतना ही महत्व देते हैं जितना कि भीड़ को। आज्ञाकारिता में, आत्मा हमारे माध्यम से अद्भुत कार्य करता है।

4. सच्ची प्रकटि परिवर्तन लाती है
कर्मकार ने शास्त्रों को समझा और विश्वास तथा बपतिस्मा में उत्तर दिया। पवित्र आत्मा द्वारा सच्ची प्रकटि हमेशा जीवन बदलने वाली होती है, केवल ज्ञान देने वाली नहीं।

हमारे लिए व्यावहारिक संदेश

जैसे इथियोपियाई कर्मकार, हम भी कभी-कभी बाइबल को समझने में कठिनाई महसूस कर सकते हैं। लेकिन यदि हम सचमुच जानने की इच्छा रखते हैं, तो पवित्र आत्मा हमारी आँखें खोलेगा। वह व्यक्तिगत अध्ययन, अचानक अंतर्दृष्टि, उपदेश या संवाद के माध्यम से अपने वचन को स्पष्ट कर सकता है।

यीशु ने वादा किया:

“परन्तु सहायक, पवित्र आत्मा, जिसे पिता मेरे नाम पर

भेजेंगे, वह तुम्हें सब कुछ सिखाएगा और तुम्हें सब कुछ याद

दिलाएगा जो मैंने तुमसे कहा।” (यूहन्ना 14:26, ERV)।

इसलिए, जब बाइबल कठिन लगे, निराश मत हो। इसे प्रार्थना के साथ पढ़ें और पवित्र आत्मा से प्रकाश की प्रार्थना करें। मत सोचो कि कुछ ग्रंथ “बहुत कठिन” हैं। शास्त्रों के लेखक, पवित्र आत्मा, तुम्हारे भीतर रहते हैं और वह तुम्हें सच्चाई में मार्गदर्शन देने में प्रसन्न होते हैं।

परमेश्वर आपको आशीर्वाद दें जब आप अपने हृदय को उसके वचन के लिए खोलते हैं। आत्मा पर विश्वास रखें, क्योंकि केवल वही खोजने वालों को प्रकाश देता है।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp